

संपादक की कलम



सोशल मीडिया और सूचना युद्ध

आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोग कुछ ही सेकंड में देश-दुनिया की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। सोशल मीडिया ने सूचना के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। अब सूचना का इस्तेमाल केवल लोगों को जानकारी देने के



ललित शर्मा

संपादक

करना होता है। सोशल मीडिया ने सूचना युद्ध को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी प्रचार को बड़े स्तर पर फैलाने के लिए अखबार, रेडियो, टेलीविजन या अन्य माध्यमों की आवश्यकता होती थी। आज एक मोबाइल फोन से तैयार किया गया वीडियो कुछ ही मिनों में हजारों या लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। लोग किसी संदेश को बिना उसकी सच्चाई जाँच आगे भेज देते हैं। इस कारण गलत सूचना को रोकना कठिन हो जाता है। भारत जैसे बड़े और विविध देश में यह चुनौती और महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत में अलग-अलग धर्मों, जातियों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोग रहते हैं। यदि किसी समुदाय से जुड़ी झूठी या भड़काऊ जानकारी सोशल मीडिया पर फैलती है, तो उसका प्रभाव समाज में तनाव के रूप में दिखाई दे सकता है। किसी छोटी स्थानीय घटना को गलत तरीके से प्रस्तुत करके उसे धार्मिक या सामुदायिक रंग दिया जा सकता है। इससे लोगों के बीच अविश्वास बढ़ सकता है और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ सकती है। सोशल मीडिया पर अफवाहों का प्रभाव कई बार बहुत गंभीर हो सकता है। किसी व्यक्ति पर गलत आरोप लगाने, किसी समुदाय के खिलाफ झूठी बात फैलाने या किसी घटना की गलत तस्वीर प्रस्तुत करने से भीड़ की भावनाएँ भड़क सकती हैं। ऐसी स्थिति में पुलिस और प्रशासन को आचानक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। इसलिए संवेदनशील घटनाओं के समय सही और आधिकारिक जानकारी जल्दी उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। सूचना युद्ध का एक नया रूप डीपफेक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से किसी व्यक्ति के चेहरे और आवाज को बदकर नकली वीडियो बनाया जा सकता है। देखने वाले को पहली नजर में यह वास्तविक लग सकता है। यदि किसी नेता, अधिकारी, सेना के अधिकारी या किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के नाम से गलत वीडियो प्रसारित किया जाए, तो इससे लोगों में भ्रम पैदा हो सकता है। चुनाव, युद्ध, आतंकवादी घटना या किसी बड़े संकट के समय ऐसी सामग्री विशेष रूप से नुकसानदायक हो सकती है। सैन्य क्षेत्र में सूचना युद्ध की चुनौती और गंभीर हो जाती है। किसी सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों की स्थिति, गतिविधियाँ, हथियारों या हताहतों से जुड़ी गलत जानकारी फैलाई जा सकती है। पुराने युद्ध के वीडियो को वर्तमान घटना का बताया जा सकता है। किसी नकली सैनिक वीडियो या झूठे बयान को वास्तविक बताकर लोगों के मनोबल को प्रभावित करने का प्रयास किया जा सकता है। इसलिए सुरक्षा से जुड़ी जानकारी को साझा करते समय विशेष सावधानी आवश्यक है।

अनुभव और जीवन

राज किशोर वाजपेयी ‘अभय’

दोहे



जीवन में मिलती सदा अनुभव से ही सीख। ज्ञान स्वयं अर्जित करें मिलें न इसकी भीख।।

अनुभव नफरत का हुआ

मिला प्यार का संग।

जीवन के सोपान में

अद्भुत इसके रंग।।

अनुभव की पूंजी सदा

जीवन में है ख़ास।

सिद्धि अनुभव से मिले

पूरी होती आस।।

अनुभव से है सभ्यता

अनुभव रचे समाज।

अनुभव से ही तो बने

सारे रीति –रिवाज।।

अनुभव पाकर प्रीति का

निर्मल हुआ स्वभाव।

मैं औ मेरा मिट गया

तू औ तेरा भाव।।

अनुभव की बगिया खिलें

सदा ज्ञान के फूल।

बिन अनुभव जीवन हुआ

जैसे उड़ती धूल।।

अनुभव का सम्मान कर

यह है जीवन–वोध।

अनुभव जीवन–दीप है

यही बताती शोध।।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।
संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

शाकाहार है स्वस्थ और संतुलित दुनिया का आधार



ललित गर्ग

लेखक

बढ़ती बीमारियों, तनावपूर्ण जीवन और पर्यावरणीय संकटों के बीच मनुष्य को अपने खानपान पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। जीवन की गुणवत्ता और निरोगता के लिए आहार में परिवर्तन के स्वर आज दुनिया के अनेक हिस्सों में सुनाई दे रहे हैं। इसी संदर्भ में शाकाहार केवल भोजन की एक पद्धति नहीं, बल्कि करुणा, अहिंसा, स्वास्थ्य, पर्यावरण-संरक्षण और संतुलित जीवन का व्यापक दर्शन बनकर सामने आ रहा है। प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व शाकाहार दिवस इसी जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करने का अवसर है। इस दिवस का आरंभ 1977 में नॉर्थ अमेरिकन वेजिटेरियन सोसायटी की पहल से हुआ और 1978 में इंटरनेशनल वेजिटेरियन यूनियन ने इसका समर्थन किया। इसका उद्देश्य शाकाहार से जुड़े स्वास्थ्य, पर्यावरणीय, नैतिक और मानवीय पक्षों के प्रति जागरूकता

बढ़ाना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शाकाहार को किसी संकीर्ण धार्मिक या खानपान की पहचान तक सीमित न रखकर उसे स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के रूप में समझा जाए। भोजन मनुष्य के शरीर को ही नहीं, उसके विचारों और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। जैसा भोजन, वैसी वृत्ति और जैसी वृत्ति, वैसा जीवन-यह भारतीय चिंतन की महत्वपूर्ण धारणा रही है। शाकाहार इसी दृष्टि से शरीर और मन दोनों के लिए संतुलन का माध्यम बन सकता है। फल, सब्जियाँ, दालें, अनाज, मेवे, बीज और अन्य वनस्पति-आधारित खाद्य पदार्थ उचित संतुलन के साथ लिए जाएं तो वे स्वस्थ आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। हालाँकि किसी भी आहार-पद्धति में पोषण-संतुलन आवश्यक है। और व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य तथा जरूरतों के अनुसार भोजन का चयन किया जाना चाहिए।

महात्मा गांधी के अनुसार भोजन केवल स्वाद का विषय नहीं, आत्मसंयम का भी विषय है। वे स्वाद पर नियंत्रण को जीवन-साधना का हिस्सा मानते थे। वास्तव में भोजन का आरंभ 1977 में नॉर्थ अमेरिकन वेजिटेरियन सोसायटी की पहल से नहीं, शरीर को स्वस्थ रखना और जीवन को संयमित बनाना होना चाहिए। आज जब स्वाद और बाजार की संस्कृति हमारे खानपान को तेजी से प्रभावित कर रही है, तब शाकाहार हमें संयम, सादगी और विवेक की ओर



लौटने का अवसर देता है। शाकाहार का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, करुणा और अहिंसा से भी है। भारत की सांस्कृतिक चेतना में ह्यअहिंसा परमो धर्मःऋ की भावना ने सदियों से जीवन को दिशा दी है। भगवान महावीर ने प्रत्येक जीव में जीवन की समानता को स्वीकार करते हुए अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च आधार बनाया। गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और अनेक संतों-मनीषियों ने भी करुणा और अहिंसा को मानवीय जीवन का मूल मूल्य माना। जैन दर्शन तो जीव मात्र के प्रति मैत्री और करुणा को जीवन की आधारभूमि मानता है। इसलिए शाकाहार केवल थाली में परिवर्तन नहीं, दृष्टि में परिवर्तन है-वह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हमारे भोजन की कीमत किसी दूसरे जीव के जीवन से तो नहीं चुकाई जा रही।

शाकाहार का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण से जुड़ा है। पशुपालन और औद्योगिक मांस उत्पादन के लिए भूमि,

जल, चारा और ऊर्जा की बड़ी मात्रा की आवश्यकता होती है। पशुधन से जुड़ी गतिविधियाँ ग्रीनहाउस गैसों, जल उपयोग और भूमि पर दबाव जैसे पर्यावरणीय प्रश्नों से भी जुड़ी हैं। ऐसे समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जल-संकट, भूमि क्षरण और जैव-विविधता के संकट से जूझ रही है, टिकाऊ और संतुलित खाद्य प्रणालियों पर विचार करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से पौध-आधारित भोजन की ओर बढ़ता रझान पर्यावरणीय विमर्श का भी हिस्सा बन रहा है। शाकाहार का अर्थ केवल मांसाहार का त्याग नहीं है। इसका अर्थ भोजन के प्रति सजगता है।

विश्व के अनेक देशों में पौध-आधारित भोजन के प्रति रुचि बढ़ी है। कभी मांसाहार को आधुनिकता और समृद्धि का प्रतीक मानने वाले समाजों में भी अब स्वास्थ्य, पर्यावरण और पशु-कल्याण के प्रश्नों पर नए सिरे से विचार हो रहा है। अनेक वैज्ञानिक,



कथित तौर पर ऐसे वीडियो प्रसारित हुए, जिनमें पूरी शाही मस्जिद ढहती दिखाई गई, जबकि वास्तविक विवाद उसके केवल एक हिस्से को हटाने का था। पुलिस ने भ्रामक सामग्री के प्रसार की जांच शुरू की है। यही वह क्षण है, जब तकनीक सूचना का माध्यम नहीं, धारणा की निमातों बन जाती है।

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी तकनीक नहीं, जल्दबाजी है। पहले अफवाह कई लोगों से गुजरती थी; अब एक फॉरवर्ड से घर पहुँच जाती है। पहले खबर पर सवाल करने का समय मिलता था; अब वायरल होने की रफ्तार सवाल करने की क्षमता से तेज है। धार्मिक स्थल के फर्जी विध्वंस का दृश्य केवल इमारत को काल्पनिक रूप से नहीं गिराता, वह लोगों की स्मृतियों,

आस्थाओं और आशंकाओं को एक साथ झकझोरता है। यहीं सूचना भावना और भावना भीड़ में बदल सकती है। उज्जैन की घटना चेतानी है कि सांप्रदायिक तनाव की चिंगारी अब वास्तविक घटना से ही नहीं, उसकी कृत्रिम तस्वीर से भी भड़क सकती है। विकास और आस्था को आमने-सामने खड़ा करना सबसे आसान, पर सबसे गलत रास्ता है। शहरों को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक बदलना पड़ता है, तो धार्मिक-सांस्कृतिक स्थलों के प्रति संवेदनशीलता भी जरूरी है। उज्जैन सिंहस्थ जैसे विराट आयोजन की तैयारी कर रहा है; सड़क, यातायात और सुरक्षा की जरूरतें वास्तविक हैं, तो धार्मिक स्थलों से जुड़ी भावनाएं

आजाद भारत के इतिहास में चुनाव आयोग का निकृष्टतम दौर



निर्मल रानी

लेखिका

1990-1996 के दौर में भारत के 10 वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे टी. एन. शेषन। इनकी छवि भारतीय इतिहास में एक निडर, कड़क और क्रांतिकारी सुधारक की थी। शेषन ने भारतीय चुनाव प्रणाली की पूरी सूरत बदल दी और राजनेताओं के मन में कानून का खौफ पैदा किया। उनके दौर में एक कहावत प्रचलित थी कि रनेता केवल दो ही लोगों से डरते हैं। एक तो ईश्वर से दूसरे टी.एन. शेषन से। शेषन ने संविधान के अनुच्छेद 324 की ताकत को पहचाना और साबित किया कि चुनाव आयोग भारत सरकार का नहीं, बल्कि भारत का होता है। उन्होंने आयोग को एक पूर्णतः स्वतंत्र और शक्तिशाली स्वायत्त निकाय बनाया और 'आदर्श आचार संहिता' को कड़ाई से लागू कराते हुये कई प्रभावशाली मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों तक के प्रचार पर रोक लगा दी और कड़े दंड दिए। शेषन ने बूथ कैप्चरिंग,



वाले जवाब दिए गये। हैरत की बात तो यह है कि जब जब चुनाव आयोग कि नीयत व उसकी कार्यशैली पर ऊँगली उठती चुनाव आयोग के पक्ष में सत्ता के नेता या भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता मोर्चा संभाल लेते। पिछले दिनों जब राहुल गांधी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर रहोट चोरीर, रमैच-फिक्सिंगर और रदेशद्रोहीर जैसे गंभीर आरोप लगाये गये और उन्हें रसरकारी गवाहर बनने की सलाह दी गयी, इससे तिलमिलाये भाजपा प्रवक्ताओं ने राहुल गांधी को लेकर कहा कि राहुल गांधी का रराजनैतिक ज्ञान अत्यंत शून्यर है और उन्हें भारत की राजनीति का मूलभूत ज्ञान ही नहीं है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है, वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं और उनका विवेक पूरी तरह शून्य है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी को कोशिश कर रही है।

छटपटा रही है और अपनी चुनावी हार का टीकरा फोड़ने के लिए देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। परन्तु इस बार मामला चुनाव आयोग द्वारा चलायी गयी एसआईआर अर्थात विशेष मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में की जा रही घोर धांधली का है और इस प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाले केवल राहुल गांधी या विपक्षी दल व नेता ही नहीं बल्कि कई पूर्व चुनाव आयुक्त व नोकरशाह भी हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों और पूर्व केंद्रीय गृह सचिव व केंद्रीय मंत्री तथा भाजपा के ही नेता आर.के. सिंह जैसे वरिष्ठ अधिकारियों और अनेक पूर्व संवैधानिक पदाधिकारियों ने भी चुनाव आयोग की 'विशेष गहन पुनरीक्षण' प्रक्रिया को मनमाना, दोषपूर्ण और कानूनी प्रावधानों के विरुद्ध करार दिया है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुरैशी ने कहा कि वे

शुरूआत से ही एसआईआर प्रक्रिया के आलोचक रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल के दौरान चुनाव आयोग के काम करने का तरीका रबेहद मनमानार रहा है। इसी तरह पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया र अनावश्यकर है और इसके संचालन में आयोग द्वारा अपनाई गई पूरी कार्यप्रणाली तथा पद्धति रदोषपूर्णर है। लवासा ने कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उठा यह विवाद काफी अग्रिय है और इससे लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व गृह सचिव आर.के. सिंह ने तो एक खुला पत्र जारी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एसआईआर अभियान के दौरान रकानून का उल्लंघनर करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर कटे हैं। आर.के. सिंह ने आरोप लगाया कि देशभर में एसआईआर लागू करने का फैसला जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के विपरीत था। क्योंकि कानून में विशेष परिस्थितियों में केवल किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र या उसके हिस्से में ही एसआईआर विशेष पुनरीक्षण की अनुमति है, न कि पूरे देश में। सिंह ने कहा कि धारा 21 के तहत पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने

विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यावरण और मानवीय मूल्यों से जोड़कर समझाना होगा। यदि युवा यह समझें कि उनकी थाली का संबंध उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ पृथ्वी के स्वास्थ्य और जीव-जगत के प्रति उनके दृष्टिकोण से भी है, तो शाकाहार उनके लिए बोझ नहीं, जागरूक जीवन का विकल्प बन सकता है। जैन धर्म शाकाहार की इस चेतना की सबसे प्राचीन और गहरी आधारभूमियों में से एक है। जैन दर्शन का हज्जीओ और जोने दोह्म का संदेश केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन के प्रति अत्यंत संवेदनशील दृष्टि है। आज जब दुनिया हिंसा, युद्ध, तनाव और असहिष्णुता से जूझ रही है, तब भोजन में अहिंसा की भावना को जीवन के व्यापक आचरण से जोड़ना जरूरी है।

शाकाहार का संबंध आर्थिक संतुलन से भी जोड़ा जा सकता है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में यदि पौध-आधारित खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ती है तो स्थानीय कृषि, बागवानी, दालों, अनाजों, फल-सब्जियों और पोषणयुक्त खाद्य पदार्थों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिल सकता है। साथ ही खाद्य सुरक्षा, जल-संरक्षण और टिकाऊ कृषि जैसे विषयों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हालाँकि इन प्रश्नों का समाधान केवल शाकाहार से संभव नहीं है, इसके लिए वैज्ञानिक कृषि, बेहतर खाद्य-वितरण, जल प्रबंधन और संतुलित सार्वजनिक नीतियों की भी आवश्यकता है।

आज का

भी। ऐसे मामलों में न्यायिक प्रक्रिया, प्रशासनिक पारदर्शिता, समुदायों से संवाद और तथ्यपरक सूचना-चारां साथ चलें, तभी विकास विवाद बनने से बचेगा। उज्जैन का अनुभव बताता है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी करना ही पर्याप्त नहीं; उसकी सही जानकारी समाज तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है।

डिजिटल युग में साक्षरता का अर्थ अब केवल मोबाइल चलाना नहीं, सूचना को परखना और सही-गलत में फर्क करना है। बच्चों को सिर्फ लिंक खोलना नहीं, उस पर भरोसा करने से पहले सवाल करना भी सिखाना होगा। परिवारों में संवेदनशील वीडियो को तुरंत साझा करने के बजाय उसके स्रोत, तारीख, स्थान और संदर्भ की जांच करने की आदत बने। समाज में स्थानीय प्रशासन और विश्वसनीय समाचार माध्यमों से पुष्टि को प्राथमिकता मिले। सोशल मीडिया मंयों की जिम्मेदारी भी केवल भ्रामक सामग्री हटाने तक सीमित नहीं रह सकती। पुलिस के अनुसार उज्जैन में भ्रामक पोस्ट और सोशल मीडिया चोटों की जांच की जा रही है। कानून दोषियों पर कार्रवाई कर सकता है, लेकिन हर नागरिक के हाथ में मौजूद दृष्टेष्टार बटन को रोकने का विवेक केवल

नागरिक ही विकसित कर सकता है। एआई की असली परीक्षा उसकी शक्ति में नहीं, हमारी विवेक-शक्ति में है। तकनीक हमें आधारगण गति दे सकती है, मगर दिशा नहीं; दृश्य रच सकती है, सत्य नहीं; भीड़ जुटा सकती है, समाज नहीं। उज्जैन में एक कृत्रिम दृश्य ने वास्तविक तनाव पैदा किया—यह हमारे समय का विचित्र विरोधाभास है कि आभासी दुनिया का झूठ वास्तविक दुनिया में पत्थर बनकर लौट सकता है। यदि हम हर चमकती स्क्रीन को प्रमाण मान लेंगे, तो सत्य पीछे छूटता जाएगा और झूठ आगे बढ़ेगा। तब हमारी प्रसिद्धि वायरल होने की होड़ में, पहचान त्वरित प्रतिक्रिया में और गौरव क्षणिक उत्तेजा में बदल जाएगा। यही वह मोड़ है जहां तकनीक की प्रगति और मनुष्य के विवेक की परीक्षा एक साथ शुरू होती है।

जब झूठ सेकंडों में तस्वीर बन जाए, तब सच की सबसे बड़ी ढाल विवेक ही है। उज्जैन की घटना का सबक तकनीक से उठना नहीं, उसके साथ विवेक विकसित करना है। मस्जिद हो या मंदिर, आस्था हो या विकास, विवाद हो या प्रशासनिक निर्णय—हर संवेदनशील विषय में पहला कर्तव्य प्रतिक्रिया नहीं, सत्यापन होना चाहिए।



सेवा संकल्प अभियान के तहत जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का किया गया शुभारंभ

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद हापुड़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता कार्यक्रम और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से लोगों को सरकार की योजनाओं एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला अध्यक्ष भाजपा कविता माधरे ने नगर पालिका परिषद हापुड़ में आयोजित सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का फीता काटकर



उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और जनहितकारी कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई। इस दौरान लोगों को योजनाओं का लाभ लेने तथा

पात्र व्यक्तियों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने के लिए जागरूक किया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत धौलाना क्षेत्र में ग्राम पंचायतों में लगातार स्वच्छता अभियान भी चलाया जा रहा

है। अभियान के दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सार्वजनिक स्थानों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संकल्प भी लिया। इसी अभियान के तहत भैना सदरपुर में महायज्ञ का आयोजन भी किया गया। महायज्ञ में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक एकता, सेवा भावना और जनकल्याण का संदेश दिया गया। अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा के साथ-साथ लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और समाज में स्वच्छता, जागरूकता तथा सेवा की भावना को मजबूत करना है। अभियान के दौरान जिले में आगे भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने किया हापुड़ नगर कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी, मेरठ परिक्षेत्र द्वारा बुधवार को जनपद हापुड़ की थाना हापुड़ नगर कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, अभिलेख, मालखाना, हवालात, बैरक सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण

के दौरान डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभागीय कार्यों तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने थाने के अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने पुलिसकर्मियों को जनसमस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने,

अपराध नियंत्रण तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहें और आमजन के साथ शांलीन एवं संवेदनशील व्यवहार करते हुए शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें। वार्षिक निरीक्षण के दौरान पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नौकर समेत दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी की चार कुंतल सरसों व बाइक बरामद



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़/बहादुरगढ़। थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने ग्राम भदस्याना में करीब चार दिन पूर्व हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए नौकर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर करीब चार कुंतल सरसों, एक मोटरसाइकिल और 2,000 रुपये की नकदी बरामद की है। इसके अलावा एक अवैध चाकू भी बरामद किया गया है। थाना

बहादुरगढ़ पुलिस के अनुसार, चोरी की घटना के संबंध में जांच करते हुए पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। पृष्ठताल एवं निशानदेही के आधार पर चोरी किया गया सामान बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई थाना प्रभारी इंद्रकांत यादव के नेतृत्व में की गई। पुलिस का कहना है कि घटना में संलिप्त अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

छात्राओं को दिया गया ‘डरना नहीं, बताना है’ का मंत्र

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ के तत्वावधान में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज आसपुर देवसरा में पॉक्सो अधिनियम-2012 को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को यौन अपराधों से संरक्षण, उनके कानूनी अधिकारों और निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ शांभवी द्वितीय ने छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम की जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण, छेड़छाड़ और अश्लीलता जैसे अपराधों से संरक्षण देने के लिए यह कानून बनाया गया है। उन्होंने छात्राओं को गुड टच और बैड टच की पहचान, आत्मरक्षा तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल जानकारी देने के



लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्राओं को किसी भी घटना से डरने या चुप रहने के बजाय तुरंत अपने परिजनों, शिक्षकों या संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी देनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान ‘डरना नहीं, चुप नहीं रहना, तुरंत बताना है’ का संदेश दिया गया। राम प्रकाश पांडे ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्य एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। पैनल अधिवक्ता इंद्र प्रसाद तिवारी ने बताया कि महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति-जनजाति, दिव्यांगजनों और गरीबी रेखा

से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों को निःशुल्क अधिवक्ता और कानूनी सलाह उपलब्ध कराई जाती है। कुसुम ने छात्राओं को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने और छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन लोगल एड क्लिनिक प्रभारी पीएलवी मुनीन्द्र प्रताप भारती ने किया। इस अवसर पर पीएलवी खुशबू, शिक्षक प्रियंदा, सरिता, शालिनी, कुसुम, दिव्या, शैलेश, बबीता, शशिकंत, मनोज, काशूल, पुष्पा, अदिति, सेजल, आनुषी सहित सैकड़ों छात्राएं मौजूद रहीं।

किसी भी अपराध से बचाव का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आशपाली द्विवेदी ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन लोगल एड क्लिनिक प्रभारी पीएलवी मुनीन्द्र प्रताप भारती ने किया। इस अवसर पर पीएलवी खुशबू, शिक्षक प्रियंदा, सरिता, शालिनी, कुसुम, दिव्या, शैलेश, बबीता, शशिकंत, मनोज, काशूल, पुष्पा, अदिति, सेजल, आनुषी सहित सैकड़ों छात्राएं मौजूद रहीं।

जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में हुई संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक



वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य, नगर पालिका, पंचायती राज, शिक्षा, बाल विकास एवं अन्य संबंधित विभागों के

कालों की समीक्षा की। जिलाधिकारी महोदया ने निर्देशित किया कि संचारी रोगों की रोकथाम हेतु फॉगिंग, एंटी लावा छिड़काव एवं नालियों की सफाई युद्धस्तर पर कराई जाए। आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर दस्तक अभियान के तहत बुखार के रोगियों की सूची बनाएं तथा जागरूकता फैलाएं। सभी अस्पतालों में बैड, दवाइयां एवं जांच

की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर तत्काल जल निकासी व जल भराव के कारणों का स्थायी निस्तारण किया जाए। स्कूलों में बच्चों को संचारी रोगों से बचाव हेतु जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

काशी क्षेत्र प्रभारी का धीरज ओझा की अगुआई में किया भव्य स्वागत



विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। पूर्व विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रभारी रमेश सिंह के जनपद प्रतापगढ़ में प्रथम आमजन पर जगह-जगह भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने

पुष्पगुच्छ भेंट कर रमेश सिंह का स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक विषयों पर संवाद भी हुआ। उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की। स्वागत कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय प्रभारी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

न्यायिक अधिकारी ने विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के प्रति किया गया जागरूक



वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद के विभिन्न विद्यालयों में न्यायिक अधिकारियों के द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें आज दिनांक 30.09.2026 को न्यायिक अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय साधना सिंह, के द्वारा कम्पोजिबल सक्ली हापुड़ में कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को बताया गया कि पॉक्सो अधिनियम, 2012 के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक व्यक्ति बच्चा है तथा नाबालिग की सहमति

कानूनन मान्य नहीं होती है। न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, लैंगिक अपराधों से बचाव, ऑनलाइन एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित प्रयोग, साइबर उत्पीड़न, बाल विवाह, शिकार्यत करने की प्रक्रिया तथा पीड़ित बच्चे की पहचान गोपनीय रखे जाने के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को समझाया गया कि किसी भी प्रकार की असहज स्थिति, दबाव, धमकी अथवा अनुचित व्यवहार को छिपाएँ नहीं, बल्कि तत्काल अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी

विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में कार्यरत पी०एल०वी० गौरव सहगल, साक्षी, निशा व अनुज ने उक्त कार्यक्रमों को ने बताया कि इस अभियान का प्रथम चरण 1-10-2026 तक संचालित है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को पॉक्सो से संबंधित कानून की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ विद्यालयों में सुरक्षित, संवेदनशील एवं सहयोगपूर्ण वातावरण विकसित करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस एवं विश्व गर्भनिरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

वेलकम इंडिया/हरेन्द्र शर्मा

हापुड़। जनपद के पिलखुवा स्थित अनवरपुर गांव में सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हापुड़ के द्वारा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस एवं विश्व गर्भनिरोधक दिवस के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पिलखुवा, हापुड़ में ‘सामूहिक एकजुटता और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में बाधाओं को दूर करना’ विषय पर जागरूकता एवं शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा प्रो. (डॉ.) आर. पिरामिला, प्राचार्य, सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग के मार्गदर्शन में तथा एन. वर्धनजन, महाप्रबंधक, सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सहयोग एवं समन्वय से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भनिरोध, अनियोजित गर्भधारण की रोकथाम, सुरक्षित एवं सम्मानजनक गर्भपात देखभाल, गर्भपात के बाद की देखभाल तथा समय पर साक्ष्य-



आधारित प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) आर. पिरामिला, प्राचार्य, सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग; डॉ. प्रियंका दुबे तथा डॉ. अंकिता भारद्वाज, प्रभारी, पीएचसी पिलखुवा की गरिमायुगी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नसीमा खातून, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, ओबीजी विभाग के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस एवं विश्व गर्भनिरोधक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक समान एवं समय पर पहुंच सुनिश्चित करने की

आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न जानकारीपूर्ण एवं संवादात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें स्वागत गीत, गर्भनिरोध एवं सुरक्षित गर्भपात पर स्वास्थ्य वार्ता, जागरूकता नाटक, मिथक एवं तथ्य पर संवादात्मक सत्र, त्वरित प्रश्नोत्तरी तथा जागरूकता शपथ शामिल रहे। इन गतिविधियों में बी.एससी. नर्सिंग सातवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी को संबोधित करते हुए (डॉ.) आर. पिरामिला, प्राचार्य, सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने



गर्भनिरोध एवं सुरक्षित गर्भपात के विषय पर जानकारीपूर्ण वक्तव्य दिया। उन्होंने सूचित गर्भनिरोधक विकल्पों के चयन, अनियोजित गर्भधारण की रोकथाम, समय पर सुरक्षित एवं कानूनी गर्भपात सेवाएं प्राप्त करने तथा योग्य स्वास्थ्यकर्मियों से उचित गर्भपात-पश्चात देखभाल लेने के महत्व को समझाया। उन्होंने प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं में गोपनीयता, सम्मानजनक संवाद, व्यक्तिगत अधिकारों तथा साक्ष्य-आधारित जानकारी के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही, गर्भनिरोध एवं गर्भपात से संबंधित मिथकों, सामाजिक कलंक और गलत

सूचनाओं को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जागरूकता एवं समय पर स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए संदेश दिया कि समय पर जागरूकता सुरक्षित मातृत्व का आधार है। जागरूकता अभियान के अंतर्गत बी.एससी. नर्सिंग सातवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने एक प्रभावशाली जागरूकता नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में आने वाली चुनौतियों एवं असमानताओं को प्रदर्शित किया गया। विशेष रूप से युवा विवाहित महिलाओं, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसवोत्तर माताओं के



बीच आवश्यक गर्भनिरोधक सेवाओं के प्रति जागरूकता और उनकी उपलब्धता के महत्व को प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से सूचित निर्णय लेने, समय पर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच का संदेश दिया। कार्यक्रम में मिथक एवं तथ्य सत्र तथा त्वरित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को गर्भनिरोध, सुरक्षित गर्भपात, गर्भावस्था देखभाल एवं प्रजनन स्वास्थ्य से संबंधित भावितियों को दूर करने तथा विश्वसनीय जानकारी प्राप्त

करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जागरूकता शपथ भी ली और जिम्मेदार, जागरूक एवं संवेदनशील स्वास्थ्यकर्मियों बनने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम से कुल 56 प्रतिभागी लाभान्वित हुए, जिनमें 4 संकाय सदस्य, 2 चिकित्सक, बी.एससी. नर्सिंग सातवें सेमेस्टर के 20 विद्यार्थी तथा 30 गर्भवती महिलाएं, प्रसवोत्तर माताएं एवं युवा विवाहित महिलाएं शामिल थीं। कार्यक्रम का समपन सुश्री नेहा काकरना, सहायक प्रोफेसर, सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में

सहयोग देने वाले सभी गणमान्य अतिथियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन समिति एवं सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग के ओबीजी विभाग ने डॉ. जे. रामचंद्रन, उपाध्यक्ष, सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस तथा डॉ. रम्या रामचंद्रन, उपाध्यक्ष, सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निरंतर प्रोत्साहन, मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम गर्भनिरोध, अनियोजित गर्भधारण की रोकथाम, सुरक्षित एवं सम्मानजनक गर्भपात देखभाल, गर्भपात के बाद की देखभाल तथा प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच के संबंध में जागरूकता बढ़ाने का एक सार्वक माध्यम बना। कार्यक्रम ने नर्सिंग विद्यार्थियों को जिम्मेदार, जागरूक एवं संवेदनशील स्वास्थ्यकर्मियों के रूप में अपनी भूमिका समझने तथा प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े मिथकों, सामाजिक कलंक एवं गलत सूचनाओं को दूर करने के लिए प्रेरित किया।

हल्द्वानी में अमर उजाला द्वारा ‘शिक्षक सम्मान समारोह’ आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। हल्द्वानी स्थित ग्राफिक एरा कैंपस में अमर उजाला द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने प्रतिभाग कर शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के योगदान और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। अपने संबोधन में डॉ. धनसिंह रावत ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और भावी पीढ़ी के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार और भविष्य की दिशा तय करने में भी अहम योगदान निभाते हैं। उन्होंने कहा कि एक सशक्त और शिक्षित समाज के निर्माण में शिक्षकों का योगदान हमेशा



महत्वपूर्ण रहेगा। अमर उजाला द्वारा आयोजित इस समारोह में 70 विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा मतदान के माध्यम से चयनित 140 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में

उल्लेखनीय योगदान देने वाले 20 शिक्षकों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले



शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रति कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। कैबिनेट मंत्री ने सभी

सम्मानित शिक्षक-शिक्षिकाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने वाला यह आयोजन समाज के लिए प्रेरणादायक है। ऐसे कार्यक्रमों से शिक्षकों का उत्साह बढ़ता है और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में गुरु-शिष्य परंपरा का संदेव विशेष स्थान रहा है। शिक्षकों का सम्मान वास्तव में ज्ञान, संस्कार और शिक्षा के प्रति सम्मान है। उन्होंने अमर उजाला की इस पहल को सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में शिक्षक के गौरव को मजबूत करने के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना रखने के लिए प्रेरित करते हैं। समारोह में शिक्षकों, विद्यार्थियों और अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

डायट मथुरा में ‘हमारी परंपरा और संस्कृति’ विषय पर कला प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन



मथुरा (वेलकम इंडिया)। डायट मथुरा में ‘हमारी परंपरा और संस्कृति’ विषय पर कला प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के 70 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 50 बेसिक शिक्षा विभाग तथा 20 माध्यमिक शिक्षा विभाग से शिक्षक आमंत्रित किए गए थे। कार्यक्रम का शुभारंभ डायट वरिष्ठ प्रवक्ता जे.पी. सुमन एवं संजय डबराल ने किया, संस्थान के प्रवक्ता एवं डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कला प्रदर्शनी में शिक्षकों द्वारा भारतीय कला, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प एवं सांस्कृतिक विरासत से संबंधित आकर्षक कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया। एवं मथुरा की ब्रह्म संस्कृति के ऊपर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए कला प्रदर्शनी की

प्रभारी श्रीमती शिखा शर्मा एवं श्रीमती रचना वाला के मार्गदर्शन में प्रदर्शनी को आकर्षक एवं सुव्यवस्थित रूप दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ प्रवक्ता जेपी सुमन ने शिक्षकों की कलात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षकों में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यालयों में कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कला प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने ब्रज की कला, परंपरा और संस्कृति के विविध रंगों को एक मंच पर साकार करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में डॉ गौरी पांडे, डॉ गौरव गुंजन, विवेक कुमार और हिमांशु रावत उपस्थित रहे।

गोवर्धन की बेटी यामिनी कौशिक ‘काशी गौरव सम्मान’ से सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन निवासी रमाकांत कौशिक की सुपुत्री यामिनी कौशिक को वाराणसी में आयोजित समारोह में ‘काशी गौरव सम्मान’ से सम्मानित किया गया। मातृभाषा हिंदी संगठन की ओर से आयोजित समारोह में उन्हें धार्मिक एवं आध्यात्मिक लेखन, भारतीय दर्शन तथा सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

यामिनी कौशिक लेखिका, वक्ता एवं अध्यात्म-चिंतक के रूप में सक्रिय हैं तथा भारतीय दर्शन एवं भक्ति-दर्शन पर शोधकार्य कर रही हैं। उनके लेखन एवं वक्तृत्व में भारतीय ज्ञान-परंपरा, भक्ति, अध्यात्म और सांस्कृतिक मूल्यों को समकालीन संदर्भों से जोड़ने का प्रयास दिखाई देता है। काशी की साहित्यिक-



सांस्कृतिक भूमि पर गोवर्धन की बेटी को मिला यह सम्मान क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बना। सम्मान प्राप्त होने पर साहित्य, संस्कृति एवं

सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने यामिनी कौशिक को बधाई देते हुए उनके निरंतर सृजन एवं वैचारिक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को विकास खण्ड सेमरियावा के नेशनल इंटर कॉलेज मुड़ाडिहा वेग में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद संत कबीर नगर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिविल जज जुनियर डिवीजन कुमारी निधि मिश्रा और न्यायाधिकारी, ग्राम न्यायालय चंदन सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान सिविल जज जुनियर डिवीजन कुमारी निधि मिश्रा ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के कमजोर और गरीब वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता और न्याय दिलाने वाली एक वैधानिक संस्था है। इसकी स्थापना विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निधि भी नागरिक को आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण न्याय पाने से



वंचित न होना पड़े। समाज में शांति, सुरक्षा और अपने मौलिक अधिकारों को रक्षा के लिए कानून की सामान्य जानकारी होना प्रत्येक नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक है। कानून हमें हमारे मौलिक और कानूनी अधिकारों की जानकारी देता है, जिससे कोई हमारा शोषण न कर सके।

उन्होंने कहा कि कानूनी जागरूकता होने पर व्यक्ति अपने साथ होने वाले अन्याय या धोखाधड़ी के खिलाफ सही कदम उठा सकता है। कानून और उसके तहत मिलने वाले दंड का ज्ञान हमें अनजाने में भी किसी गलत या गैरकानूनी काम को करने से

रोकता है। समाज में अनुशासन बनाए रखने और अराजकता या हिंसा को रोकने के लिए कानून एक बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। कानून केवल हमारे अधिकार ही नहीं बताता, बल्कि समाज के प्रति हमारे कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी मार्गदर्शन करता है। यह सुनिश्चित करता है कि देश में कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है और सभी को समान न्याय मिले। ग्राम न्यायालय के न्यायाधिकारी चन्दन सिंह ने कहा कि हर नागरिक को कानून की जानकारी होना आवश्यक है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) भारत का नया और मुख्य आपराधिक कानून



(क्रिमिनल कोड) है, जिसने ब्रिटिश काल के पुराने कानूनी यानी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) 1860 को पूरी तरह से बदल दिया है। यह नया कानून 1 जुलाई 2024 से पूरे देश में लागू हुआ है। बीएनएस में कुल 358 धाराएँ और 20 अध्याय हैं, जबकि पुरानी आईपीसी में 511 धाराएँ थीं। इसका मुख्य उद्देश्य आधुनिक समाज की जरूरतों के हिसाब से न्याय प्रणाली को तेज और पारदर्शी बनाना है। इसमें आतंकवाद, संगठित अपराध और साइबर अपराध जैसे नए और गंभीर अपराधों के लिए कड़े प्रावधान जोड़े गए हैं। इसमें पहली बार कई मामलों में सामुदायिक सेवा

(कम्युनिटी सर्विस) को सजा के तौर पर शामिल किया गया है। कार्यक्रम में विधिक जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का अध्यक्षता प्रधानाचार्य मुजीबुल्लाह और संचालन निसार अहमद ने किया। इस मौके पर आयोजक राम किशोर, उपनिरीक्षक थाना दुधारा नन्द किशोर, उप प्रधानाचार्य बदरे आलम, अरशद जलाल, मंशा उल हक, फय्याज अहमद कुरैशी, निसार अहमद, सैराज अहमद, मोहम्मद रईस, ओबैदुल्लाह, खलीकुर्रहमान, शाहबाज अहमद, मोहम्मद अब्बास, सरफराज अहमद, वसीउद्दीन सहित विद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

पद की गरिमा प्रतिष्ठा के अनुरूप ही कार्यरत हैं वर्तमान बीएसए एवं बीईओ

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। नंदगांव विकासखण्ड में कार्यरत नवागत बीईओ महोदय बुद्धसेन सिंह अपनी महत्तन से पद की प्रतिष्ठा के अनुरूप कार्य कर रहे हैं। विदित है कि जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग का संचालन करने वाली ईमानदार छवि की महिला अधिकारी महोदया श्री मती रतन कीर्ति ने इस समय ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए ईमानदार छवि के जनपद में सभी बीईओ गणों को पदासीन कर रखा है इसी क्रम में देखा जाए तो नंदगांव विकासखण्ड में कार्यरत बीईओ महोदय बुद्ध सेन सिंह को यहां के अलावा कोसीकलां नगर क्षेत्र एवं छाता विकासखण्ड का कार्यभार दे रखा है। जनपद में शासन द्वारा बीईओ पद की अनुपलब्धता के कारण एक एक पदासीन बीईओ को तीन या दो विकासखण्ड देखने पड़ रहे हैं। शासन के आदेश के अंशपालन में विभागीय नियमानुसार विकासखण्ड के प्रत्येक विभाग में औचक निरीक्षण करना अनिवार्य है। जब उक्त पद पर कार्यरत

एक व्यक्ति पर तीन विकासखण्ड के विद्यालयों की संख्या होना अतिरिक्त भार होना सुनिश्चित है। नंदगांव विकासखण्ड के बीईओ ईमानदार छवि की जनपदीय महिला अधिकारी महोदया के नेतृत्व में अनेकानेक विभागीय अधिकारियों के आदेशों को महंजर रखते हुए कार्य करना ईमानदार छवि के अधिकारी महोदय कहने में किसी भी शिक्षक संगठन को मजबूरी नहीं होगी। जनपद में आधा दर्जन लगभग शिक्षक संगठन कार्यरत हैं परन्तु किसी भी शिक्षक संघ को ईमानदार छवि की बीएसए महोदया एवं नंदगांव विकासखण्ड में कार्यरत बीईओ बुद्धसेन सिंह जी से कोई भी शिकायत नहीं है। वह वर्तमान में अपने पद पर रहते हुए किसी भी तरह के भेदभाव रहित जातिगत बंधन से मुक्त होकर कार्य कर रहे हैं। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व मंडल प्रभारी, जिला अध्यक्ष आगरा त्रिलोक चंद्र दुबे ने अधिकारियों पर लगे किसी भी प्रकार के आरोपों को निराधार बताया है।

सीएवसी में सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य का हुआ चेकअप



संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। बुद्धवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरियावा में ब्लाक सेमरियावा क्षेत्र में तैनात सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने उचित परामर्श भी दिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरियावा में बुद्धवार को अधीक्षक डा. सुरेश चन्द्रा के नेतृत्व में चिकित्सकों ने सेमरियावा ब्लाक क्षेत्र के लगभग 150 सफाई कर्मचारियों के आँख, बीपी, सुगर, सीबीसी की जांच की गयी। इस दौरान अधीक्षक डा. सुरेश चन्द्रा ने कहा कि स्वास्थ्य अमूल्य धन है। नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। यही निरोगी रहने का एकमात्र रास्ता है। खानपान, जीवनशैली में सुधार कर स्वस्थ रहा जा सकता है। इस अवसर पर डा. हिमांशु, डा. अभय गुप्ता, फार्मासिस्ट अफजाल अहमद, प्रतिरक्षण अधिकारी मोहम्मद कौसर खान आदि मौजूद रहे।



8 अक्टूबर को मदरसा अरबिया मकसूदुल इस्लाम में होगी तहफुज-ए-खत्म-ए-नुबुव्वत व अजमत-ए-सहाबा कॉन्फ्रेंस

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मदरसा अरबिया मकसूदुल इस्लाम, बलईपूर में आगामी 8 अक्टूबर, गुरुवार को एक दिवसीय तहफुज-ए-खत्म-ए-नुबुव्वत व अजमत-ए-सहाबा कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से उलेमा, हुफ्फाज, अइम्मा-ए-किराम एवं धार्मिक विद्वान शामिल होंगे और धार्मिक विषयों पर अपने विचार रखेंगे। सम्मेलन को लेकर मदरसा प्रबंधन और आयोजकों की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में दारुल उलूम देवबंद के नायब मोहतामि, गुजरवार मौलाना मुफ्ती मुहम्मद राशिद साहब आजमी की विशेष आमद होगी। इसके अलावा लखनऊ से हजरत मौलाना अब्दुल बारी साहब फारूकी, कानपुर से हजरत मौलाना हुजैफा साहब एवं

हजरत मौलाना मुफ्ती अमीर हमजा साहब तथा आजमगढ़ से मद्दाह-ए-खैरुल अनाम कारी शब्बीर अहमद मुजफ्फरपुरी भी सम्मेलन में शिरकत करेंगे। सम्मेलन की पहली बैठक उलेमा, हुफ्फाज एवं अइम्मा-ए-किराम के लिए सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर विद्वानों द्वारा संबोधन किया जाएगा। इसके बाद सम्मेलन की दूसरी बैठक नमाज-ए-मगरिब के बाद शुरू होगी और ईशा की नमाज तक चलेगी। दूसरी बैठक में भी देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे उलेमा धार्मिक विषयों पर विस्तार से अपने विचार रखेंगे।

आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य धार्मिक शिक्षाओं, इस्लामी मान्यताओं और सहाबा-ए-किराम की अजमत से संबंधित विषयों पर लोगों को जानकारी देना है। कार्यक्रम में भाग लेने के अलावा जिले के विभिन्न स्थानों से भी लोगों के

पहुंचने की संभावना है। सम्मेलन को लेकर मदरसा परिसर में व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बैनेने, आवाजाही और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारियां की जा रही हैं। मदरसा अरबिया मकसूदुल इस्लाम बलईपूर के नाजिम-ए-आला ने सम्मेलन की जानकारी देते हुए लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाले उलेमा एवं धार्मिक विद्वानों के संबोधन सुनने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह है और विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। सम्मेलन में शांति, भाईचारे और धार्मिक जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों ने सभी से कार्यक्रम में अनुशासन बनाए रखने की अपील की।

सुजीत वर्मा बने नरहरी सेना के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, उ.प्र. प्रभारी का सौपा अतिरिक्त दायित्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। सोनार नरहरी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार वर्मा ने मथुरा निवासी सुजीत कुमार वर्मा को नरहरी सेना का राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बनाया है। सुजीत वर्मा के नागरिकों की तैयारियों की जा रही हैं। मदरसा अरबिया मकसूदुल इस्लाम बलईपूर के नाजिम-ए-आला ने सम्मेलन की जानकारी देते हुए लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाले उलेमा एवं धार्मिक विद्वानों के संबोधन सुनने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह है और विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। सम्मेलन में शांति, भाईचारे और धार्मिक जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों ने सभी से कार्यक्रम में अनुशासन बनाए रखने की अपील की।



निराकरण को सुबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से शोध ही एक प्रतिनिधिमंडल मिलेगा जिसमें कि सराफा व्यवसाइयों को शस्त्र लाइसेंस देने , सराफा मार्केटों में पुलिस गश्त बढ़ाने, सराफा व्यवसाइयों को मांग के आधार पर गन देने, पुलिस द्वारा चोरी का माल खरीदने के नाम पर होने वाले शोषण रोके जाने आदि जैसी मांगों मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखी जायेंगी।

450 ग्राम गांजे के साथ युवक गिरफ्तार, गोवर्धन पुलिस ने की कार्रवाई

मथुरा/गोवर्धन। नशा कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गोवर्धन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को 450 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, 30 सितंबर को पुलिस टीम को गश्त के दौरान जमुनावाता तहसील चौराहे से महमूदपुर जाने वाले बंबा की पट्टी पर एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 450 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी की पहचान राजा पुत्र कप्तान सिंह भाट्ट, निवासी भाट्ट मोहल्ला अईंग, थाना गोवर्धन, उम्र करीब 22 वर्ष के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 514/26, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट, आवकारी अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट से संबंधित मामले दर्ज हैं।

अपहरण और धमकी के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने अपहरण एवं धमकी के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को मेंहदावल बाईपास से गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय पेश दिया।

पुलिस अधीक्षक सदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना कोतवाली खलीलाबाद के उपनिरीक्षक सहेंद्र यादव, उपनिरीक्षक वीरेंद्र मिश्रा, कांस्टेबल अभिषेक सिंह

और कांस्टेबल रौशन कुमार की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान वासुदेव उर्फ बासदेव पुत्र रामप्रकाश निवासी कैथल, थाना चंदौसी, जनपद संभल के रूप में हुई है। आरोपी महिला अपराध से संबंधित मुकदमा संख्या 383/2024 में वांछित था। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 366 एवं 366 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। बताया गया कि वादी ने थाना कोतवाली खलीलाबाद में अपनी पुत्री के अपहरण, गाली-गलौज और धमकी देने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान आरोपी का नाम सामने आने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया।

एशियन गेम्स में रजत पदक जीतने वाली मीराबाई चानू का मोदीनगर में सम्मान, कोच विजय शर्मा भी सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू के सम्मान में बुधवार को मोदीनगर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मीराबाई चानू के साथ उनके कोच एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित विजय शर्मा को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मोदीनगर में एसआरएम यूनिवर्सिटी के निकट स्थित वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स जिम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मीराबाई चानू मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रही। क्षेत्रीय विधायक डॉ. मंजू शिवाच, नगर पालिका चेयरमैन विनोद



वैशाली, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पवन सिंघल, स्वदेश जैन, आईआईए मोदीनगर चेयरमैन राज दौंगरा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने मीराबाई चानू का स्वागत किया और उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। समारोह में मीराबाई चानू की खेल उपलब्धियों की सराहना करते

हुए वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। वहीं, उनकी सफलता में कोच विजय शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया गया। विजय शर्मा के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की भी सराहना की गई।

इस दौरान मीराबाई चानू और विजय शर्मा ने उपस्थित लोगों से संवाद किया। उन्होंने युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक होने तथा मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का संदेश दिया। विजय शर्मा ने कहा कि 1998 में बाद अब 2026 के एशियन खेल में भारत को वेटलिफ्टिंग में मेडल मिला है। यह सब हठ संकल्प व लक्ष्य को साधकर मेहनत करने से संभव हुआ है। इस दौरान एकेडमी ने मीराबाई चानू से उनके अनुभव को साझा किया। सम्मान समारोह में खेल प्रेमियों, स्थानीय लोगों सभासद मोनू धामा शिवम गोयल भीष्म शर्मा अजय शर्मा अरुण वशिष्ठ गौरव जैन आदि गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही।

भगवान किसी को मारते नहीं, बल्कि तारते हैं: अतुल कृष्ण भारद्वाज

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को अति मार्मिक ढंग से श्रोताओं के समक्ष किया प्रस्तुत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। श्रीराम कथा आयोजन समिति के तत्वावधान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में आज देश के प्रसिद्ध वेट लिफ्टिंग कोच द्रोणाचार्य सम्मान प्राप्त विजय शर्मा एवं वेट लिफ्टिंग में देश का गौरव बढ़ाने वाली मीराबाई चानू जिन्होंने अभी फिलहाल में चल रहे एशियाई खेलों में रजत पदक प्राप्त किया है कथा में उपस्थिति रही जिन्हें डॉक्टर पवन सिन्हा आध्यात्मिक गुरु व कथा व्यास पूजा अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने पटका पहनकर सम्मानित किया व देश का नाम रोशन करने के लिए बहुत-बहुत आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर विनोद वैशाली अध्यक्ष नगर पालिका मोदीनगर उपस्थित रहे।



कथा व्यास पूज्य श्री अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस पर वेदों की प्रेरणा एवं ऐतिहासिक प्रसंगों पर महाराज जी ने कहा कि आज भी समाज में हजारों पूतनाएँ जीवित हैं। उन्होंने समझाया कि भगवान किसी को मारते नहीं, बल्कि तारते हैं। प्रारम्भिक अवतारों में भगवान ने महिला रूपी राक्षसों का नाश किया।

इसका अर्थ यह नहीं है कि भगवान किसी को मारते हैं, बल्कि वे अविद्या रूपी राक्षसों का नाश कर अपने भक्तों की रक्षा करते हैं। कथा व्यास ने कहा कि मनुष्य जिस भाव से भगवान का स्मरण करता है, भगवान उसी भाव से उसे अपने हृदय में बसा लेते हैं। भगवान केवल भाव देखते हैं। महाराज जी ने भगवान के बालस्वरूप की पूजा पर बल देते हुए कहा कि बालस्वरूप की पूजा और सेवा पूरी

तरह निस्वार्थ भाव से की जाती है, उसमें किसी प्रकार की अपेक्षा नहीं होती। कथा के अंत में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं माखन चोरी के प्रसंगों को अति मार्मिक ढंग से श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया गया। भवन में बैठे हजारों श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। कथा में यजमान अनिल गर्ग, रामेश्वर दयाल, अशोक माहेश्वरी पूर्व अध्यक्ष अजय गुप्ता डॉ विनय मित्तल महेश टिब्राल वाले उमेश जंजीर वाले दिनेश सिंघल पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा राजीव महेश्वरी विनोद गोस्वामी मुकेश हरबंस डेरी राजेंद्र अग्रवाल विशाल श्रवदेशी अरुण खन्ना हिमांशु गर्ग अमित कराटे महेश तायल, सुदेश मित्तल शालिनी गोयल, साधना शर्मा, गीता कौशिक डॉ पूनम गर्ग उपस्थित रहे।

रालोद ही किसानों, युवाओं एवं आमजन के हितों के लिए संघर्ष करने वाली पार्टी: रणवीर दहिया

अनिल वशिष्ठ

सिवालखास। सिवालखास विधानसभा क्षेत्र के पिठलोकस्थित पिठलोक पब्लिक स्कूल में आयोजित बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष द्वारा की गई तथा संचालन शहजद प्रधान ने किया। बैठक में आगामी स्थानीय निकाय/चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। रालोद के पूर्व प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए रणवीर दहिया ने कहा कि रालोद एक ऐसी पार्टी है जो सदैव किसानों, युवाओं एवं आमजन के हितों के लिए संघर्ष करती रही है।



उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करें और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से पूरी मेहनत और लगन के साथ जुटने का आह्वान

किया। रविभारत चिकार ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर रवि भारत चिकार, इरफान, गुरमीत, सुरेंद्र, रजनीत, मास्टर प्रधान, गोपाल, शैलेंद्र, हरतरत, गुल्लू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में जिला विद्यालय निरीक्षक गाजियाबाद के आदेश के अनुपालन में 'जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद 'के सौजन्य से *पोक्सो अधिनियम 2012 के प्रावधानों और कानूनी, परिणाम के प्रति संवेदनशीलता, बढ़ाने के उद्देश्य से प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुशील कुमार (अपर जिला जज) एवं श्रीमती सुमन सोलंकी (अतिरिक्त



मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) ने पोक्सो अधिनियम 2012 के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार पूर्वक बताया। अपर जिला अध्यक्ष सुशील कुमार ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया एवं किसी भी विषय परिस्थिति में बेहिचक चाइल्ड हेलप्लाइन , महिला हेलप्लाइन एवं

पुलिस हेलप्लाइन में अपनी शिकायत दर्ज करने के लिए नबालिग विद्यार्थियों को प्रेरित किया। यह कानून भारत में 14 नवंबर 2012 को लागू किया गया इस कानून का उद्देश्य 18 वर्ष से कम आयु के सभी बालकों व बालिकाओं का यौन शोषण यौन उत्पीड़न और पोर्नोग्राफी

जैसे गंभीर अपराधों से सुरक्षा प्रदान करना है यह कानून लड़का और लड़कियों दोनों पर समान रूप से लागू होता है जब 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिक बच्चों के साथ यौन अपराध, यौन उत्पीड़न या कोई और पोर्नोग्राफी जैसा मामला होता है श्रीमती सुमन सोलंकी जी ने छात्रों को समझाते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के मामले में आपसी सहमति का कोई कानूनी महत्व नहीं होता। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल ने दोनों ही अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम में बहुमूल्य समय देने के लिए आभार प्रकट किया एवं दोनों न्याय मूर्तियों को पटका वे प्रतीक चिन्ह

देकर उनका स्वागत किया विद्यार्थियों से उनके द्वारा सुझाए गए रास्तों पर चलने के लिए सभी को प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने दोनों महानुभावों को विद्यालय की पत्रिका भी भेंट की कार्यक्रम में विद्यार्थियों की उत्साह जनक भागीदारी रही , कार्यक्रम अत्यंत रोचक शिक्षाप्रद ,सफल एवं सार्थक रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह राजीव कुमार गौरव त्यागी डॉक्टर अरुण कुमार जैन अनिल कुमार यादव धर्मवीर सिंह आदि का सहयोग प्रशंसनीय रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं उपस्थित थीं।

छाया पब्लिक स्कूल में साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। छाया पब्लिक स्कूल, गोविन्दपुरी, रुक्मणी गल्स इण्टर कॉलेज मोदीनगर में साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। किसी भी छात्र व छात्राओं को कोई भी समस्या है तो वह हमारे टोल फ्री नं० 15100 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। उतर प्रदेश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर माननीय जिला जज विनोद कुमार रावत अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण पर नेहा बनीया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश पर छाया पब्लिक स्कूल, गोविन्दपुरी, टी0आर0एम0 पब्लिक स्कूल, मोदीनगर, पी0बी0एस0 मोदीनगर, रुक्मणी गल्स इण्टर कॉलेज मोदीनगर में पोक्सो एक्ट साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पैमेल अधिवक्ता संजय मुदगल द्वारा किया गया। पैमेल अधिवक्ता संजय मुदगल ने बताया कि



भारत में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और पोर्नोग्राफी जैसे अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने वाला एक विशेष और सख्त कानून है। इसे पॉक्सो एक्ट विकिपीडिया विवरण के अनुसार 14 नवम्बर 2012 को लागू किया गया था, सोशल मीडिया के बारे में भी जागरूक किया कि सभी छात्राएं अपनी निजी फोटो इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर व ए0आई0 आदि पर फोटो न डाले करें। तथा मोबाइल फोन से दूरी बनाये रखे। अपनी व अपने परिवार की किसी भी व्यक्ति को

फोटो साझा न करें। तथा किसी भी अनजान व्यक्ति को फरेन्ड रिक्वेस्ट आती है, तो उसे फोलो न किया जाए। यौन उत्पीड़न में 3 से 5 वर्ष तक की कैद और जुर्माना का प्रावधान है। पैमेल अधिवक्ता संगीता ने 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों लड़का या लड़की यह दोनों पर समान रूप से लागू होता है। गंभीर यौन हमला इस तरह के अपराधों में कम से कम 20 साल की जेल से लेकर उष्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। अगर किसी भी छात्रा को कोई भी व्यक्ति अश्लील हरकत करता है। तो वह अपनी शिकायत 15100

हेल्पलाइन नम्बर पर कर सकती है, जिसकी सूचना गोपनीय रखी जाएगी। प्रधानाचार्य शिवानी बंसल द्वारा बताया गया कि किसी भी छात्रा को कोई भी परेशानी जैसे अगर कोई अज्ञान व्यक्ति छात्रा को अश्लील हरकत या गन्दे इशारे करता है, तो वह अपनी शिक्षिका या अपने माता पिता को बता सकती है। शिविर में स्कूल की अध्यापिकाएं, पैरालीगल वालंटियर नीलम वर्मा, मनीषा, नीलम गोस्वामी, नीलम कुमार, जयश्री कश्यप, जया कश्यप, उमंग किशोर आदि उपस्थित रहे।

महिला अधिवक्ता ने ससुरालियों पर लगाया हमला करने का आरोप

गाजियाबाद। कचहरी परिसर में चैंबर पर नाम लिखवाने को लेकर हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया। महिला अधिवक्ता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर चैंबर में पहुंचकर उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पौडिता का आरोप है कि विवाद के दौरान सास ने उनका गला दबाया, जबकि एक अन्य महिला ने उनका हाथ पकड़ लिया। वहीं, ससुर पर अश्लील हरकत करने और कपड़े फाड़ने का भी आरोप लगाया गया है। महिला अधिवक्ता के मुताबिक कचहरी परिसर स्थित चैंबर पर नाम लिखवाने को लेकर उनका ससुराल पक्ष से विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर ससुराल पक्ष के लोग उनके चैंबर पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर उनके साथ अभद्रता की गई। पौडिता ने शिकायत में ससुर पर अश्लील हरकत करने और कपड़े फाड़ने का आरोप भी लगाया है। पौडिता का आरोप है कि घटना के दौरान सास ने उनका गला दबाया, जबकि परिवार की एक अन्य महिला ने उनका हाथ पकड़ लिया। इस दौरान उनके साथ मारपीट की गई। घटना के बाद महिला अधिवक्ता ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

इंदिरापुरम में पुलिस का पैटल मार्च, डार्क स्पॉट पर बड़ेगी निगरानी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत करने और लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने के लिए बुधवार शाम पुलिस अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ पैटल गश्त की। पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन जोन ऋजुल के नेतृत्व में एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्व, एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना, एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह, एसीपी महिला अरुण शुचिता सिंह और थाना प्रभारी इंदिरापुरम ने विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया।



पुलिस टीम ने मुख्य मार्गों के साथ सुनसान रास्तों, गलियों, चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानीं। गश्त के दौरान क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था की स्थिति देखी गई और संभावित डार्क स्पॉट चिह्नित किए

गए। अधिकारियों ने संबंधित पुलिसकर्मियों को चिन्हित स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा महिलाओं और आमजन की सुरक्षा के लिए

लगातार सक्रिय रहने के निर्देश दिए। पुलिस की पैटल गश्त से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में भरोसा बढ़ाने का प्रयास किया गया।

मोदीनगर के विकास को लेकर जीडीए उपाध्यक्ष ने सांसद एवं विधायक से की चर्चा



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। मोदीनगर के विकास कार्यों को लेकर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अपनी टीम के साथ बुधवार की शाम यहां पहुंचे तथा बागपत मोदीनगर सांसद डॉ राजकुमार सांगवान तथा भाजपा विधायक डॉ मंजू सिवाच के साथ

मिलकर विकास कार्यों पर चर्चा की गई। इस दौरान सिखेड़ा रोड से लेकर कपड़ा मिल तक मोदीनगर के मध्य से गुजरने वाले नाले तथा हापुड़ रोड स्थित गांधी स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण किया गया। दोनों ही कार्यों के बारे में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से अपनी टीम के अधिकारियों को आवश्यक प्रस्ताव बनाने के लिए निर्देशित किया गया।

नवरात्रि में शुरु होगा हापुड़ चुंगी प्लाईओवर का काम

गाजियाबाद। शहर के सबसे बड़े जाम प्वाइंट में शामिल हापुड़ चुंगी पर जल्द ही यातायात की तस्वीर बदलने वाली है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने हापुड़ चुंगी प्लाईओवर के निर्माण के लिए एजेंसी का चयन कर लिया है। अब एजेंसी को एक सप्ताह के भीतर वर्कऑर्डर जारी करने की तैयारी है। इसके बाद नवरात्रि के दौरान प्लाईओवर का निर्माण कार्य शुरू किया जा सकता है। करीब 1.2 किलोमीटर लंबे चार लेन के इस प्लाईओवर पर लगभग 125 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निर्माण पूरा होने के बाद हापुड़ चुंगी और आसपास के मार्गों पर लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। जीडीए की योजना के अनुसार प्लाईओवर संजयनगर सेक्टर-23 स्थित एप्लंटी सेंटर से शुरू होकर हापुड़ चुंगी होते हुए कविनगर थाने के आगे शास्त्रीनगर चौराहे तक बनाया जाएगा। इस मार्ग का सीधा जुड़ाव एनएच-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की ओर जाने वाले यातायात से है। सुबह और शाम के समय वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण हापुड़ चुंगी पर लंबा जाम लगता है।

गो आश्रय स्थलों में चला स्वच्छता और स्वास्थ्य अभियान, गोवंश की हुई विशेष सेवा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बुधवार को जनपद के विभिन्न गो आश्रय स्थलों पर विशेष गोसेवा, स्वच्छता एवं पशु स्वास्थ्य अभियान चलाया गया। पंचायती राज, नगर विकास, कृषि एवं पशुपालन विभाग के साथ एनजीओ के सहयोग से अभियान संचालित हुआ।



इस दौरान गो आश्रय स्थलों के परिसर, पशुओं के रहने के स्थान और हैदियों को सफाई कराई गई। स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक स्थानों पर चूने का छिड़काव भी किया गया। बीमार एवं कमजोर गोवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया तथा जरूरत के अनुसार डीवार्मिंग कराई गई। अभियान के दौरान गो पूजन कर गोवंश को फल और गुड़ खिलाया गया। हरे चारे, भूसे और दाने को उचित मात्रा में मिलाकर पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया गया। अभियान के कर्मचारियों, एनजीओ प्रतिनिधियों



और गो आश्रय स्थल कर्मियों ने अभियान में सहभागिता की। अधिकारियों ने बताया कि गोवंश के

संरक्षण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और समुचित भरण-पोषण के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

मिठाई कारखाने में एक्सपायर सामान, चूहों की बीट और कॉकरोच मिले; फैक्टरी बंद

गाजियाबाद। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को मोदीनगर और मुरादनगर क्षेत्र में डेयरी, मिठाई की दुकान और खाद्य कारखाने पर कार्रवाई की। जांच के दौरान एक कारखाने में एक्सपायर खाद्य पदार्थ, चूहों की बीट, कॉकरोच और कीड़े मिलने पर अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कारखाने को सुधार होने तक बंद करा दिया। साथ ही खाद्य पंजीकरण भी निलंबित कर दिया गया। तीन स्थानों पर हुई कार्रवाई में करीब एक क्विंटल डेयरी उत्पाद नष्ट कराया गया। सहायक आयुक्त खाद्य सुरेश मिश्र ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मोदीनगर के सिखेड़ा रोड इंडस्ट्रियल एरिया स्थित नाथजी स्वीट्स के कारखाने का निरीक्षण किया। जांच के दौरान बड़ी संख्या में एक्सपायर खाद्य पदार्थ मिले। टीम ने पूरे परिसर की गहनता से जांच की तो कई स्थानों पर गंदगी मिली। भंडारगृह में चूहों की बीट पाई गई, जबकि डीप फ्रीजर में कॉकरोच और कीड़े मिले। खाद्य पदार्थों के रखरखाव की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके से फनीर, बेसन, लवू, धी और अमोनियम बाई कार्बोनेट के पांच नमूने लिए। इसके साथ ही कारखाने को स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होने तक बंद करा दिया गया। विभाग की ओर से संबंधित प्रतिष्ठान का खाद्य पंजीकरण भी निलंबित किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों के निर्माण और भंडारण में स्वच्छता मानकों का पालन करना अनिवार्य है। इसके बाद टीम ने मुरादनगर के जलालपुर रोड स्थित प्रणामजी डेयरी पर औचक जांच की। निरीक्षण के दौरान डेयरी बिना लाइसेंस संचालित होती मिली। परिसर में गंदगी के साथ दुर्गंध भी फैली हुई थी। टीम ने यहां से धोखा और दूध के तीन नमूने लिए। डेयरी संचालक का चालान करते हुए आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। विभागीय टीम ने इसके बाद मोदीनगर कस्बा स्थित राजा स्वीट्स की जांच की। यहां से मिठाइयों के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के दौरान तीनों स्थानों पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था को परखा गया।



